Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to set up a Virology centre at Patna & ICS facility in Primary Health Centres in encephalitis affected areas in Bihar

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया है, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद । पूरा बिहार, मुजफ्फरपुर से लेकर चम्पारण और पूरा इलाका एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिन्ड्रोम से त्राहिमाम कर रहा है । आज यह भी नहीं पता है कि यह एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिन्ड्रोम या एन्सेफैलोपैथी है । मुझे याद है कि वर्ष 2014 में जब हम लोग पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य थे तो हम लोगों ने अटलांटा, विश्व के सबसे बड़े वायरोलॉजी सेंटर से भी वैज्ञानिकों को बुलाया था । उस समय गोरखपुर और मुजफ्फरपुर की सारी रिपोर्टिंग गई थी । पर, दुर्भाग्य से विश्व के सबसे बड़े वायरोलॉजी सेंटर, अटलांटा भी इसका डायग्नॉसिस करने में सफल नहीं हुआ कि इसका कारण क्या है?

मैं आपके माध्यम से माननीय हर्षवर्द्धन जी से अनुरोध करूंगा कि कृपया इसके लिए एम्स, पटना या एसकेएमसीएच में वायरोलॉजी का एक सेंटर शुरू किया जाए और हमारे इलाके में आईसीयू एंड एनआईसीयू पर्याप्त संख्या में हर प्राइमरी हेल्थ सेन्टर को दी जाए । सब में केवल एक ही कॉमन फैक्टर है कि सबके बच्चों में ग्लूकोज की कमी हो जाती है । मैं बाल कल्याण विभाग से अनुरोध करूंगा कि सभी आंगनवाड़ी सेंटर्स पर रात्रि खाने का भी प्रबंध किया जाए । जैसे आंगनवाड़ी सेंटर में सुबह खिलाया जाता है, वैसे ही अगले दो महीने तक रात्रि भोजन का भी प्रबंध बाल कल्याण विभाग करे ताकि हम जो हाइपोग्लाइसेमिया के कारण बच्चों की मौत देख रहे हैं, उससे हम बच सकें ।

माननीय सभापति :

श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल जी को श्री संजय जायसवाल जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति : श्री अधीर रंजन चौधरी जी, आपकी नोटिस थी । आपसे मेरा निवेदन है कि आप संक्षिप्त में अपनी बात सदन मे रखें ।

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Sir, a number of speakers from the Ruling Party have already participated in this issue.

सर, आपको सारी जानकारी होगी कि चमकी बुखार, दिमागी बुखार, एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिन्ड्रोम के चंगुल में बिहार का एक बड़ा हिस्सा आ गया है, जिसका एपिसेंटर मुजफ्फरपुर है । कितने लोगों की मौत हुई है, कितने बच्चों की मौत हुई है, कितने घर के उजाले बुझ गए हैं, यह हमें पता नहीं है । सरकारी आकलन 135 से 150 कहते हैं । उसके अलावा दूर-दराज गांवों में कहां, किसकी मौत हुई है, उसका कोई आकलन नहीं है । संजय जायसवाल जी बिहार से चुन कर आए हैं, वह डॉक्टर भी हैं । वह कहते हैं कि ग्लूकोज की कमी होती है तो कम से कम प्राइमरी हेल्थ सेन्टर पर एक ग्लूकोमीटर रहना चाहिए, वह नहीं है । बिहार की हालत बहुत बुरी है ।

मुझे अचरज होता है कि जब इतनी बड़ी त्रासदी बिहार में फैल चुकी है, तो वहां के डिप्टी सीएम से जब पूछा गया कि क्या हो रहा है, वे कहते हैं कि हमें एनपीए के बारे में पूछो, बैंक के बारे में पूछो, बाकी किसी के बारे में मत पूछो । दिल्ली में जब केंद्रीय मंत्रालय में पत्रकार पूछने गए, तो यहां मंत्री जी की तरफ से पूछा गया कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान के क्रिकेट मैच में क्या नतीजा निकला, उसके बारे में बात करो । आज भी यही हालत है । इस तरह की लापरवाही के चलते हालत बिगड़ती जा रही है । सबसे बड़ी बात यह है कि कल राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में आयुष्मान भारत योजना की बड़ी सराहना की गई थी । आप देखिए कि बिहार में जो त्रासदी हुई है, उसमें कितने बच्चों की मौत हुई है ।

माननीय सभापति : यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है । आप इसे पॉलिटिसाइज न कीजिए ।

श्री अधीर रंजन चौधरी: आयुष्मान भारत योजना के तहत जन आरोग्य योजना है, इस स्कीम की सुविधा उन्हें या तो मिली है या नहीं मिली है । यदि उन्हें इसका लाभ नहीं मिला, तो क्यों नहीं मिला और कब मिलेगा । डॉ. हर्षवर्धन जी बहुत बड़े डॉक्टर हैं । मैं उनका ध्यान आकृष्ट करने के लिए कह रहा हूं कि "As per the National Family Health Survey-4, Muzaffarpur district has an abysmal record of child nutrition."

माननीय सभापति : अधीर जी, आप अपनी बात समाप्त कीजिए । अभी बहुत से माननीय सदस्यों ने अपनी बात कहनी है ।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री अधीर रंजन चौधरी : महोदय, हमने इस विषय पर बोलने के लिए एडजोर्नमेंट मोशन दिया था । "Nearly 48 per cent of children under the age of 5 are stunted (short for their height), 17.5 per cent children are wasted (too thin for their height), while 42 per cent are underweight—a glaring sign of chronic undernutrition."

माननीय सभापति : अधीर रंजन जी आप बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं ।

…(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Kindly conclude.

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY : This is my last minute.

Sir, as per the World Health Organization's recommendation, the patient doctor ratio must be 1:1000 of the population. However, in Bihar, there is one doctor for a population of over 50,000. Currently, in Bihar, there are only around 2,700 regular doctors working against a sanctioned strength of 11,393 doctors. …(*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Please sit down.

श्री ओम राजेनिंबालकर ।

… (*Interruptions*)

13.37 hrs

At this stage, Shri Kodikunnil Suresh and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table

माननीय सभापति : माननीय सदस्य आप सभी अपने को एसोसिएट कर सकते हैं । You associate with it.

…(व्यवधान)

श्री ओम पवन राजेनिंबालकर (उस्मानाबाद) : सभापति जी, आपके माध्यम से भारी उद्योग मंत्रालय से मेरा अनुरोध है कि मैं महाराष्ट्र के उस्मानाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनकर आता हूं । …(व्यवधान)

माननीय सभापति : केवल ओम पवन जी की बात रिकार्ड में जाएगी ।

…(व्यवधान)